आज़ादी का अमृत महोत्सव

साप्ताहिक सूचना पत्र

(दिनांक 31.01.2022 से 05.02.2022)

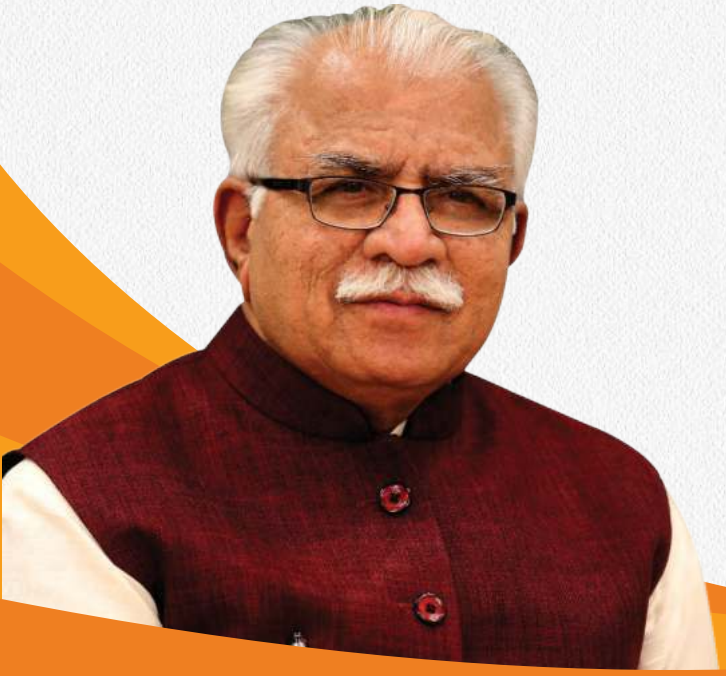

भारतीय जनता पार्टी
हरियाणा

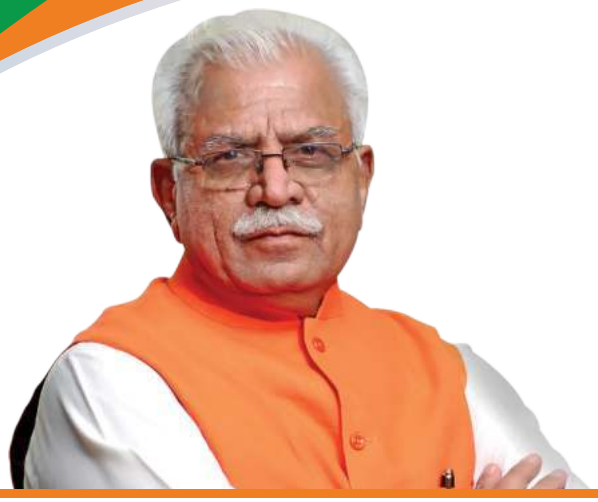

साप्ताहिक सूचना पत्र

मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना के लाभार्थियों को राशि का हस्तान्तरण

(दिनांक 31.01.22)

विषय: मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना के लाभार्थियों को राशि का हस्तान्तरण।

प्रभाव: आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना के तहत विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजना की प्रीमियम राशि का भुगतान लाभार्थियों को किया। इसके तहत माननीय मुख्यमंत्री जी ने पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और तीन मानधन योजनाओं के 3,14,446 लाभार्थियों को 5.33 करोड़ रुपये प्रीमियम राशि जारी की। इसके साथ ही लाभार्थियों को मुख्यमंत्री जी ने प्रमाण पत्र भी प्रदान किए।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार 2014 से अन्त्योदय की भावना से कार्य कर रही है। हरियाणा सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना केंद्र सरकार की पांच योजनाओं के लिए एक एकल प्लेटफॉर्म है, जिसमें पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई, एमएसवाईएमवाई, पीएमएलवीएमवाई और पीएमएलवीएमवाई के प्रीमियम की प्रतिपूर्ती सरकार द्वारा की जाती है।

मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना के तहत ऐसे परिवार जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये से कम या उसके बराबर है, प्रति वर्ष 6000 रुपये का लाभ पाने के पात्र हैं और इस राशि का उपयोग केंद्र प्रायोजित पेंशन और बीमा योजनाओं के लिए लाभार्थी के हिस्से का भुगतान करने के लिए किया जाएगा। इसके साथ ही माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारा लक्ष्य 31 मार्च, 2022 तक इन योजनाओं के तहत अधिकतम लाभार्थियों

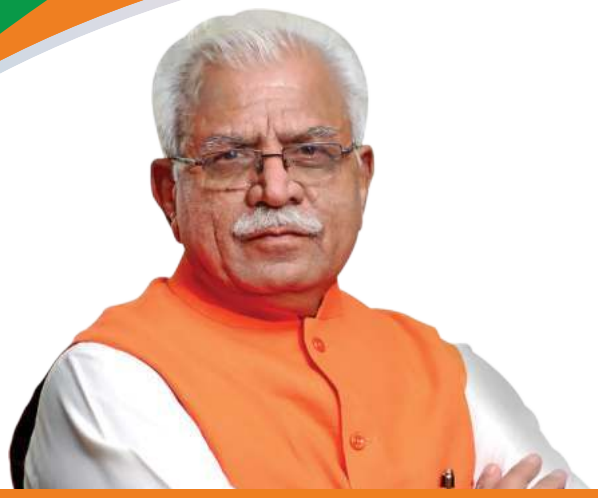

साप्ताहिक सूचना पत्र

को कवर करना है, ताकि लाभार्थियों का सुरक्षित भविष्य सुनिष्चित किया जा सके। इसलिए मुख्यमंत्री ने ऐसे सभी लाभार्थी जो इन योजनाओं के तहत लाभ पाने के पात्र हैं और जिन्होंने अभी तक अपना नामांकन नहीं कराया है, उनसे आग्रह किया कि वे जल्द से जल्द अपना पंजीकरण कराना सुनिष्चित करें।

वीटा (VITA) की योजनाओं और कार्यो की समीक्षा

(दिनांक 31.01.22)

विषय: वीटा (VITA) की योजनाओं और कार्यो की समीक्षा।

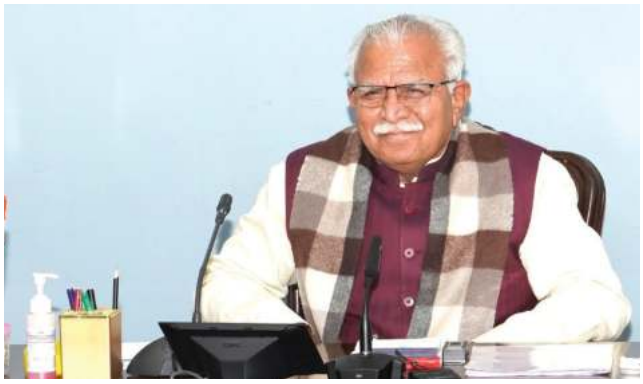

प्रभाव: आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने वीटा को बढ़ावा देने और ज्यादा से ज्यादा किसानों और लोगो को इससे जोड़ने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। जिसमें उन्होंने वीटा को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचाने के लिए और इसके उत्पादों और बूथों की संख्या बढ़ाने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने और उसपर जल्द काम शुरू करने का अधिकाररियों को निर्देश दिया। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वीटा न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश मे एक ब्रांड के रूप में पहचाना जाना चाहिए और उसी को ध्यान में रखकर हमें कार्य करना चाहिए। माननीय मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को 5000 वीटा बूथ खोलने के लोए योजना बनाने का भी निर्देश दिया।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव प्रचार

(दिनांक 01.02.22)

विषय: उत्तराखंड विधानसभा चुनाव प्रचार।

प्रभाव: आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के दौरान हल्द्वानी और लालकुंआ विधानसभा की सीट के लिए चुनाव प्रचार किया और जनता से BJP प्रत्याशियों को जिताने की अपील की।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने उत्तराखंड से जुड़ी अपनी यादों को भी साझा किया जब वे प्रधानमंत्री जी के साथ चारधाम की यात्रा पर गए थे। उन्होंने उसे अपने

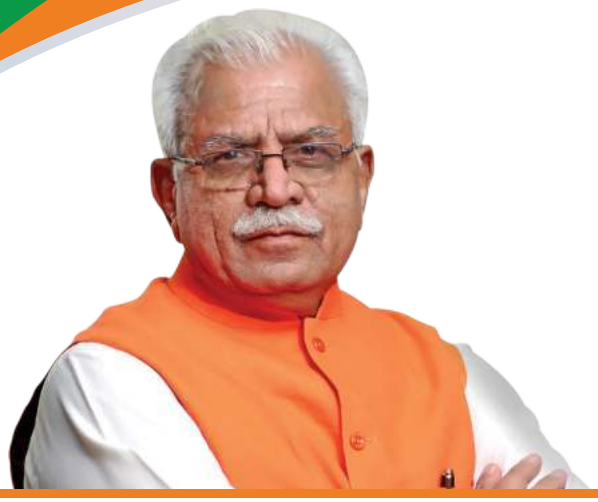

साप्ताहिक सूचना पत्र

जीवन का एक अद्भुत अनुभव बताया और साथ ही कहा कि पहाड़ी लोग अत्यन्त सहज और सरल होते है।
इसके साथ ही माननीय मुख्यमंत्री जी ने नैनीताल जिला में हल्द्वानी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में वर्चुअली जनसभा को किया संबोधित और कहा की उत्तराखंड में भाजपा फिर से भारी बहुमत से सरकार बनाएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में पांच सालों में डबल इंजन की सरकार के रहते हुए उत्तराखंड में जनहित के अनेक कार्य हुए है। सडक़, रेल और हवाई कनेक्टिविटी में तेजी से विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण हुआ और बदरीनाथ में भी 250 करोड़ रूपये की योजनाएं स्वीकृत की गई है। पहाड़ी इलाकों की गरीब महिलाओं को उज्जवला योजना का लाभ भी इसी सरकार में मिलना संभव हो पाया है।
इसके साथ ही माननीय मुख्यमंत्री जी ने उत्तराखंड को विकास के पथ पर आगे ले जाने के लिए उत्तराखंड की जनता से BJP को जिताने और फ़िर से BJP की सरकार बनाने की अपील की ।

अंतरराष्ट्रीय वेटलैंड दिवस

(दिनांक 02.02.22)

विषय: अंतरराष्ट्रीय वेटलैंड दिवस।

प्रभाव: आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने अंतरराष्ट्रीय वेटलैंड दिवस के अवसर पर सुल्तानपुर अभ्यारण में आयोजित राष्ट्रीय वेटलैंड समारोह में शिरकत की। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव जी भी मौजूद रहे। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी जे कहा कि हमें आज के इस अंतरष्ट्रीय वेटलैंड दिवस को प्रकृति के संरक्षण के प्रति अपने कर्तव्य और दायित्व को समझकर एक संकल्प के रूप में लेना चाहिए। इसके साथ ही माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि टिक्करताल की तर्ज पर सुल्तानपुर और भिंडावास में भी होम स्टे की शुरुआत की जायेगी। होम स्टे शुरू होने से पर्यटन में भी इजाफ होगा साथ ही पर्यटक हरियाणवी संस्कृति और ग्रामीण दर्शन भी कर सकेंगे।

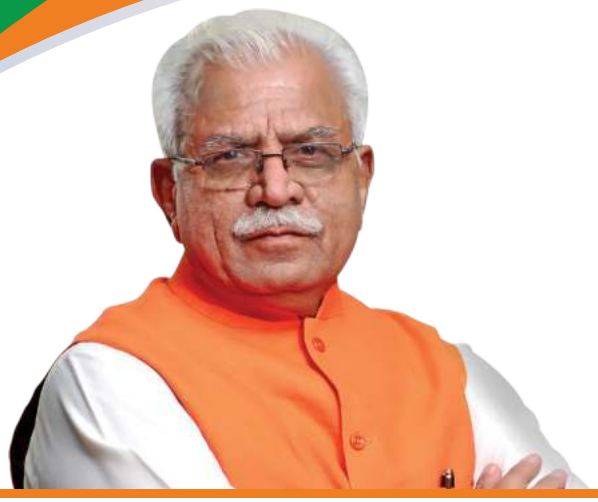

साप्ताहिक सूचना पत्र

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रकृति की गोद में केवल मनुष्यों का निवास है, ऐसा नहीं है बल्कि हमारे इर्द–गिर्द वन्य प्राणी, जीव–जंतु, वृक्ष मौजूद हैं। इनका समन्वय करके चलेंगे तो हमारा जीवन सुखी होगा। यह पृथ्वी हम सबकी है। साथ ही उन्होंने कहा कि पृथ्वी और पानी दोनों का समन्वय बैठाना बहुत आवष्यक है। जहां–जहां वेटलेंड हैं, उन स्थानों पर देश और दुनिया से पक्षी आते हैं। हरियाणा में सुल्तानपुर और भिंडावास झील पर हजारों पक्षी दूसरे देश और प्रदेशों से आते हैं। सुल्तानपुर में 100 से अधिक प्रजाति के 50 हजार पक्षी हर वर्ष पहुंचते हैं। इसी तरह भिंडावास में 80 से अधिक प्रजाति के 40 हजार पक्षी हर वर्ष आते हैं। भिंडावास में तो 100 से अधिक स्थानीय प्रजाति के पक्षी पाए भी जाते हैं। उन्होंने कहा कि बहुत से पर्यटक यहां आते हैं। इनके ठहराव को लेकर योजना बनाने पर विचार किया जा रहा है।

इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव जी ने हरियाणा सरकार द्वारा इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और कहा कि मुख्यमंत्री जी ने इको विकास और इको टूरिज्म का संकल्प लिया है, इससे निष्चित रूप से सुल्तानपुर झील के आसपास के गांवों में परिवर्तन आएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जंगल हमारे फेफड़ें हैं तो वेटलेंड हमारी किडनी हैं। उनके विभाग ने देश की 49 झीलों को रामसर साइट में दर्ज करवाया है, जिसमें हरियाणा की सुल्तानपुर और भिंडावास झील भी शामिल की गई हैं। भविष्य में देश की 75 झीलों को इसमे दर्ज करवाने के लिए काम किया जाएगा। हमें इन झीलों के सौंदर्यकरण और इन्हें बचाने के लिए प्रयास करना चाहिए। उनका विभाग जमीनी स्तर पर काम कर रहा है, तभी पर्यावरण से जुड़े अलग–अलग दिवस उन्हीं क्षेत्रों में मनाए जा रहे हैं, जहां से उनका कोई न कोई संबंध है। जलवायु परिवर्तन हमारे लिए बड़ी चुनौती है, इसी वजह से भारत सरकार ने ग्रीन बजट पेश किया है। इसके साथ ही उन्होंने नजफगढ़ में सेम की समस्या के जल्द समाधान का भी विश्वास दिलाया।

कैमला (करनाल) का दौरा

(दिनांक 03.02.22)

विषय: कैमला (करनाल) का दौरा।

प्रभाव: आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने करनाल के कैमला गाँव का दौरा किया। इस दौरान कैमला गावँ के लोगों ने माननीय मुख्यमंत्री जी का भव्य स्वागत किया साथ ही घरौंदा क़स्बे के अन्य गांवों के लोगो ने भी मुख्यमंत्री जी के आगमन पर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने कैमला और अराईपुरा गांव के दो धार्मिक स्थलों पर लंगर हॉल बनाने के लिए दिए 51–51 लाख रुपये भी दिए।

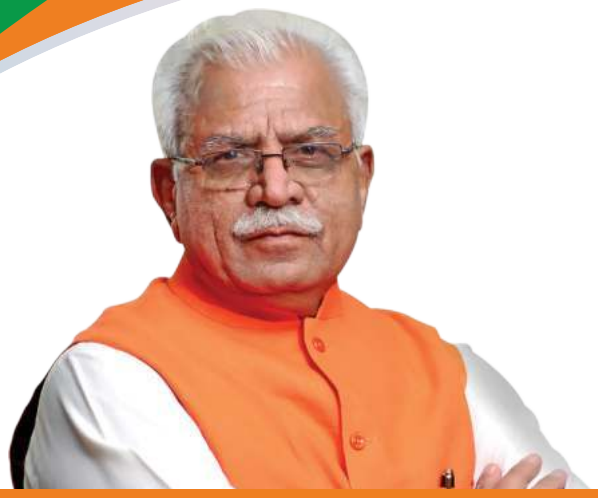

साप्ताहिक सूचना पत्र

मुख्यमंत्री जी ने कैमला गांव के लंगड़ा बाबा मंदिर में दर्शन भी किए। यहां मुख्यमंत्री जी ने सबसे पहले मंदिर में पूजा अर्चना की। इसके बाद उन्होंने मंदिर में मौजूद ग्रामीणों को संबोधित करते हुए लंगड़ा बाबा मंदिर में लंगर हॉल बनाए जाने के लिए 51 लाख रुपये की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव में जितने भी तालाब हैं, उन सभी के सौंदर्यकरण का काम किया जाएगा। इन तालाबों की सफाई करवाई जाएगी और जरूरत पड़ी तो इनको खाली करवाकर चिकनी मिट्टी की परत भी उठवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने गांव में गोबर की समस्या से निजात दिलाने के लिए कई गांवों को मिलाकर एक बड़ा गोबर गैस प्लॉट लगाया जाएगा। इससे ग्रामीण गोबर को भी बेच सकते हैं। गोबर गैस प्लॉट लगने से तालाबों में भी अतिरिक्त गोबर नहीं बहाया जाएगा। इससे तालाब भी साफ रहेंगे।
मुख्यमंत्री जी ने ग्रामीणों के प्रेम के प्रति आभार जताते हुए उनका धन्यवाद भी किया।

करनाल में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन

(दिनांक 03.02.22)

विषय: करनाल में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन।

प्रभाव: आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपने 2 दो दिवसीय करनाल दौरे पर करनाल के लिए अनेक विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया।
करनाल स्मार्ट सिटी लिमिटेड की इन परियोजनाओं में स्ट्रीट लाईटिंग प्रतिस्थापन के तहत 25 हजार एल.ई.डी. लाईटें लगाना, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में खेल सुविधाओं का विकास, उत्तम नगर में पार्क विकसित करना, हैरिटेज कॉरिडोर परियोजना के तहत गांधी मैमोरियल हाल का सौंदर्यकरण, छावनी चर्च टावर का सौंदर्यकरण तथा सेक्टर–4 व मुधबन के निकट स्थित कोस मीनार के आस–पास का सौंदर्यकरण जैसे शिलान्यास और कुंजपुरा रोड से कैलाश रोड तक नई बिटुमिन युक्त सड़क तथा प्रीतम नगर पार्क का उद्घाटन शामिल हैं।
इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि शहर की पुरानी स्ट्रीट लाईट की जगह नई 25 हजार एल.ई.डी. लाईटें लगाने का काम शुरू हो गया है। इस पर अनुमानित 35 करोड़ 27 लाख रूपये की राशि खर्च होगी। इसके तहत मौजूदा खम्बों पर नई एलईडी लाईटों के साथ स्ट्रीट लाईटिंग सिस्टम, समूह या व्यक्तिगत कंट्रोलर और लाईटिंग मैनेजमेंट सिस्टम के साथ लाईटों का कंट्रोल होगा। इसमें 90 वाट और उससे अधिक रेटिंग वाले पारम्परिक लैंप को

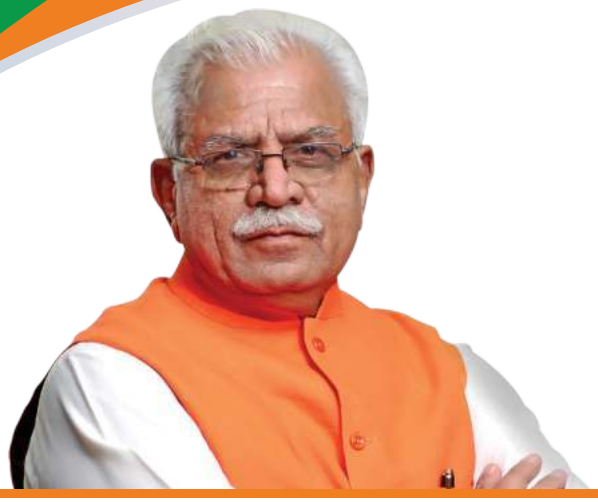

साप्ताहिक सूचना पत्र

व्यक्तिगत रूप से नियंत्रित होने वाली स्मार्ट स्ट्रीट लाईट से बदला जाएगा, जबकि 90 वाट से नीचे की लाईटों को स्मार्ट फीडर आधारित कंट्रोल पैनल के साथ नियंत्रित एलईडी स्ट्रीट लाईट से बदला जाएगा। इसके अलावा माननीय मुख्यमंत्री जी ने वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल (लड़के) में खेल सुविधाओं का विकास, जिसके तहत वॉलीबाल कोर्ट, चेन लिंक फेंसिंग, खेल मैदान के चारों ओर बैठने की जगह, साईकिल स्टैण्ड के साथ आगंतुक कार पार्किंग, बाउण्डरी वाल की मरम्मत, गेट पोर्टल, आर.ओ. सिस्टम के साथ वाटर कूलर, भू–निर्माण तथा प्रकाश और विद्युत कार्य करवाए जाएंगे। इन सुविधाओं से छात्र खेलों की तरफ उत्साहित होंगे। इसके अलावा माननीय मुख्यमंत्री जी ने उत्तम नगर में पार्क का विकास, हैरिटेज कॉरिडोर परियोजना जिसमें घण्टाघर चौक के पास स्थित ऐतिहासिक गांधी मैमोरियल हाल विरासत का सौंदर्यकरण। साथ ही कई सड़को की आधारशिला रखकर करनाल के विकास को गति प्रदान की।

अम्बाला में बनाये जा रहे 1857 कि क्रांति के स्मारक का निरीक्षण

(दिनांक 04.02.22)

विषय: अम्बाला में बनाये जा रहे 1857 कि क्रांति के स्मारक का निरीक्षण।

प्रभाव: आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने 1857 की क्रांति की याद में अम्बाला में बनाए जा रहे ऐतिहासिक शहीद स्मारक का निरीक्षण किया। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अम्बाला में बन रहे आजादी की पहली लड़ाई के ऐतिहासिक स्मारक का निर्माण होने से देखने वालों को प्रत्यक्ष रूप से इतिहास की जानकारी मिलेगी। आजादी का यह 75वां वर्ष है जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी की गाथा बहुत लंबी है और इस महोत्सव के दौरान युवाओं को आजादी के संग्राम और शहीदों के बारे में जानकारी मिले, इसके दृष्टिगत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

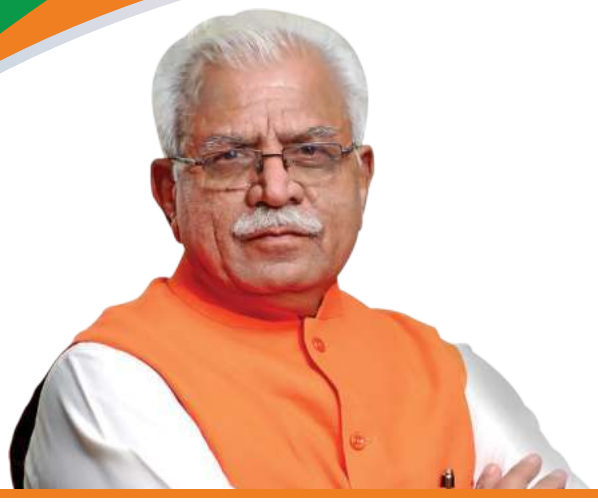

साप्ताहिक सूचना पत्र

इसके साथ ही माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले यह माना जाता था कि 1857 की क्रांति मेरठ से शुरू हुई थी लेकिन तथ्यों और इतिहासकारों के द्वारा यह बताया गया कि मेरठ से 10 घंटे पहले स्वतंत्रता संग्राम की पहली चिंगारी अम्बाला छावनी में उठी थी जोकि धीरे–धीरे हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों तथा देश के विभिन्न हिस्सों तक फैल गई। उन्होंने कहा कि 1857 की क्रांति और शहीदों की याद में यह महत्वपूर्ण स्मारक बनाया जा रहा है जिससे आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी और उन्हें अपने क्रांतिकारी वीर शहीदों के जीवन के बारे में जानकारी मिल पायेगी। किताबों कहानियों के द्वारा इतिहास कई प्रकार से जाना जा सकता है, लेकिन इस प्रकार के ऐतिहासिक स्मारक का निर्माण होने से देखने वालों को प्रत्यक्ष रूप से इतिहास की जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि शहीद स्मारक से जन–जन में देश के प्रति और अधिक प्रेम की भावना जागृत होगी। उन्होंने कविता की पंक्तियों, जो भरा नहीं है भावों से बहती जिसमें रसधार नहीं, वह हृदय नहीं है पत्थर है जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं के द्वारा देश–प्रेम के बारे अपने भाव व्यक्त किए।

अंत्योदय परिवार उत्थान योजना की समीक्षा

(दिनांक 04.02.22)

विषय: अंत्योदय परिवार उत्थान योजना की समीक्षा।

प्रभाव: आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने अन्त्योदय परिवार उत्थान योजना की समीक्षा की जिसमें उन्होंने अंत्योदय मेले में लोगो को विभिन्न योजनाओं के तहत दिये गए लाभ की भी समीक्षा की। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को एमएमएपीयूवाई के तहत योजनाओं की अधिकतम पहुंच सुनिष्चित करने के लिए अथक प्रयास करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही माननीय मुख्यमंत्री जी ने दूसरे चरण के तहत अंत्योदय मेले 2 मार्च से 17 मार्च, 2022 तक आयोजित करने के लिए भी अधिकाररियों को आदेश दिए। इसके साथ ही माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अधिकारी एमएमएपीयूवाई के तहत चिन्हित परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताएं ताकि वे योजनाओं को भलि–भांति समझ सकें और इनका लाभ उठा सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि इस योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की न्यूनतम अस्वीकृति हो, यह सुनिष्चित किया जाए। साथ ही, यदि आवेदक एक विशेष योजना के लिए पात्र नहीं है तो उसका आवेदन अन्य विभागों को अग्रेशित किया जाना चाहिए ताकि उसे अन्य कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ कर उसका लाभ पहुंचाया जा सके।